

P/60/14th



जगद्गुरु रामानन्दाचार्य राजस्थान संस्कृत विश्वविद्यालय

मदाऊ पोस्ट-भोंकरोटा, जिला- जयपुर-302026

E- mail: jrresulibrary@gmail.com

0141-5132029

क्रमांक प.(06)जरारासंवि/पुस्त./2016/2556

दिनांक./10/6/16

प्रो.(डॉ.) सोहन राज तातेड,
जी-8 मुल्तानकुंज, भगत की कोठी विस्तार,
पोस्ट ऑफिस जौधपुर (राज.) 342005

विषय:-विश्वविद्यालय को भेंट स्वरूप भिजवाई गई पुस्तकों के संबंध में धन्यवाद पत्र।

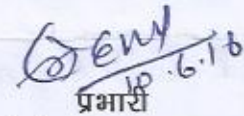
सन्दर्भ:- आपका पत्र दिनांक 10.06.2016

महोदय,

आपके प्राप्त पत्र के सन्दर्भ में आपको सूचित करते हुए अत्यन्त हर्ष हो रहा है कि आपने विश्वविद्यालय पुस्तकालय के लिये आप द्वारा रचित विभिन्न विषयों की (पी.एच.डी.) स्तर की पुस्तकें भेंट स्वरूप इस विश्वविद्यालय को प्रदान कर हमें अनुग्रहीत किया इसके लिए विश्वविद्यालय पुस्तकालय सदैव आपका ऋणी रहेगा। आप द्वारा अब तक 14 किशतों में कुल 128 पुस्तकें विश्वविद्यालय को भिजवाई गई है जिनको पुस्तकालय परिग्रहण पंजिका में अंकित किया गया है

आपको उक्त सभी 14 किशतों में भिजवाई गई पुस्तकों के लिए विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति महोदय, कुलसचिव महोदय एवं अधोहस्ताक्षरकर्ता की ओर से कोटि-कोटि सादर धन्यवाद।

सादर ससम्मान।


प्रभारी

केन्द्रीय पुस्तकालय
जरारासंवि, जयपुर।



जगद्गुरु रामानन्दाचार्य राजस्थान संस्कृत विश्वविद्यालय

मदाऊ पोस्ट-भोंकरोटा, जिला- जयपुर-302026

E-mail: jrslibrary@gmail.com

0141-5132029

क्रमांक प.(06)जरारासंविधि/पुस्त./2016/ 2556

दिनांक.10.6.16

प्रो.(डॉ.) सोहन राज तातेड,
जी-8 मुल्तानकुंज,भगत की कोठी विस्तार,
पोस्ट ऑफिस जौधपुर (राज.) 342005

विषय:- विश्वविद्यालय को भेंट स्वरूप भिजवाई गई अनुसंधान पुस्तकों के संबंध में।

आदरणीय महोदय,

आपके प्राप्त पत्र के सन्दर्भ में आपको सूचित करते हुए अत्यन्त हर्ष हो रहा है कि आपने विश्वविद्यालय पुस्तकालय के लिये आप द्वारा रचित विभिन्न विषयों की (पी.एच.डी.) स्तर की पुस्तकें भेंट स्वरूप इस विश्वविद्यालय को प्रदान कर हमें अनुग्रहीत किया इसके लिए विश्वविद्यालय पुस्तकालय सदैव आपका ऋणी रहेगा। आप द्वारा अब तक (14) किशतों में कुल 129 पुस्तकें विश्वविद्यालय को भिजवाई गई हैं जिनको पुस्तकालय परिग्रहण पंजिका में निम्नानुसार अंकित किया गया है:-

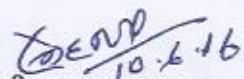
1. पांच पुस्तकें जिनकी पुस्तकालय परिग्रहण संख्या 28725 से 28729 पर दर्ज है।
2. दस पुस्तकें जिनकी पुस्तकालय परिग्रहण संख्या 28774 से 28783 पर दर्ज है।
3. दस पुस्तकें जिनकी पुस्तकालय परिग्रहण संख्या 28993 से 29002 पर दर्ज है।
4. दस पुस्तकें जिनकी पुस्तकालय परिग्रहण संख्या 29119 से 29128 पर दर्ज है।
5. नौ पुस्तकें जिनकी पुस्तकालय परिग्रहण संख्या 31259 से 31267 पर दर्ज है।
6. आठ पुस्तकें जिनकी पुस्तकालय परिग्रहण संख्या 31539 से 31546 पर दर्ज है।
7. सात पुस्तकें जिनकी पुस्तकालय परिग्रहण संख्या 31918 से 31924 पर दर्ज है।
8. आठ पुस्तकें जिनकी पुस्तकालय परिग्रहण संख्या 32117 से 32124 पर दर्ज है।
9. दस पुस्तकें जिनकी पुस्तकालय परिग्रहण संख्या 32551 से 32560 पर दर्ज है।(7.6.14)
10. दस पुस्तकें जिनकी पुस्तकालय परिग्रहण संख्या 32600 से 32609 पर दर्ज है।(7.11.14)
11. दस पुस्तकें जिनकी पुस्तकालय परिग्रहण संख्या 33012 से 33021 पर दर्ज है।(5.04.15)
12. दस पुस्तकें जिनकी पुस्तकालय परिग्रहण संख्या 33550 से 33559 पर दर्ज है।(15.07.15)
13. दस पुस्तकें जिनकी पुस्तकालय परिग्रहण संख्या 33574 से 33583 पर दर्ज है।(15.10.15)
14. दस पुस्तकें जिनकी पुस्तकालय परिग्रहण संख्या 33879 से 33884 एवं sa 5166-69 पर दर्ज है।

10.6.16

आपको पुनः धन्यवाद पत्र प्रेषित किया जा रहा है एवं यह आशा व्यक्त की जा रही है कि भविष्य में भी आपका सहयोग हमें इसी प्रकार प्राप्त होता रहेगा तथा आप द्वारा भेजी गई पुस्तकों से पाठक समुदाय लाभान्वित होता रहेगा। सभी पाठकों ने आप द्वारा भेजी गई पुस्तकों का गहन अध्ययन कर सराहना की। आप द्वारा भिजवाई गई पुस्तकों को पुस्तकालय में एक अलग रिसर्च बुक शैल में अध्ययन कक्ष के अन्दर डिस्पले कर रखा है। ताकि अधिक से अधिक पाठक इन पुस्तकों का अध्ययन कर लाभान्वित हो सकें।

आपको उक्त सभी चौदह(14) किशतों में भिजवाई गई पुस्तकों के लिए विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति महोदय, कुलसचिव महोदय एवं अधोहस्ताक्षरकर्ता की ओर से कोटि-कोटि सादर धन्यवाद।

सादर ससम्मान।


10.6.16
प्रभारी पुस्तकालयाध्यक्ष
जरारासंविधि, जयपुर